इलाज की सभी पैथियों के साथ आईटी टेक्नोलॉजी का भी हो उपयोग 'ट्रेडिशनल एंड मार्ड्न हैल्थकेयर' कांफ्रेंस हुई शुरू

इंदौर। एमजीएम मेडिकल कालेज, आईआईटी इंदौर और विज्ञान भारती के साथ दो दिवसीय 'ट्रेडिशनल एंड मार्डन हैल्थकेयर' कांफेंस का शुरुआत गुरुवार से हुई। इसका उद्घाटन सुबह दस बजे एमजीएम मेडिकल कालेज आडिटोरियम में मुख्य अतिथि राजेश मेहरा, अध्यक्ष मप्र लोक सेवा आयोग के द्धारा किया गया। उद्घाटन समारोह में डीन एमजीएम मेडिकल कालेज इंदौर डॉ. संजय दीक्षित, एमवायएच अधीक्षक डॉ. पीएस ठाक्र, प्रोफेसर एचसी झा आईआईटी इंदौर, डॉ. सलिल भार्गव मौजूद रहे। मप्र के एमएसएमई और आईटी मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा द्धारा भी कांफेंस को संबोधित िज्या गया। श्री सखलेचा ने सभी पैपियों एलोपैथी, आयुर्वेदिक, होम्योपैथी, नैचरोपैथी, योगा के साथ आईटी टैक्नोलॉजी के भी उपयोग पर जोर दिया और उम्मीद की कि इस कांफ्रेंस से जो भी तथ्य आधारित रिपोर्ट आयेगी उस पर मप्र सरकार विचार करेगी।

डॉ. अपूर्व पौराणिक ने पारंपरिक, वैकल्पिक और आधुनिक चिकित्सा पद्धितयों के समन्वय पर चर्चा की और उन्होंने ये बताया कि हर पद्धित का अपने अपने सकारात्मक प्रभाव और नकारात्मक प्रभाव है जिनके बारे मे विचार कर ही उस पद्धित का उपयोग करना चाहिए। डॉ. संजय अवसिया ने धसन तंत्र से संबंधित विभिन्न बीमारियों पर प्रकाश डाला और किस तरह उनका प्रभावी ढंग से इलाज किया जा सकता है इसके बारे में विस्तार से बताया।डा सतीश शर्मा ने आयुर्वेद और इमर्जेसी मेडिसिन विषय पर चर्चा की। डॉ. एके द्विवेदी ने एप्लास्टिक एनीमिया के इलाज मे होम्योपैथी पद्धित के प्रभावशाली इलाज के बारे में चर्चा की और बताया कि होम्योपैथी में एप्लास्टिक एनीमिया का प्रभावी इलाज संभव है।

डॉ. एसएस. शर्मा विभागाध्यक्ष स्कूल ऑफ योग डीएवीवी ने योग से स्पाइन की बीमारियों के इलाज के बारे में बताया और योग प्रदर्शन कर बताया। श्री मेहरा द्वारा सभी पैथियों के समंवय पर जोर दिया।

पैनल में डा यामिनी गुप्ता प्राध्यापक ईएनटी, डा अखिलेश भागंव, शासकीय आयुर्वेदिक कालेज, डा प्रीति कुलकर्णी आयुर्वेदाचार्य, डॉ. एके द्धिवेदी होम्योपैथी विशेषज्ञ और योगाचार्य योगेश झा थे। सभी ने अपनी-अपनी विधा का कोविड से बचाव और इलाज के बारे में बताया। विभिन्न विधाओं के 11 छात्र छात्राओं ने विभिन्न विषयों पर अपने पेपर प्रजेंट किये जिन्हें बहुत सराहा गया।